https://www.jmi.ac.in

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लॉ ग्रेजुएट ओसामा नूर को लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स में LL.M. के लिए मिली शेवनिंग स्कॉलरशिप

नई दिल्ली, 23 सितंबर, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लॉ फैकल्टी के पूर्व छात्र (2023 बैच) ओसामा नूर को यूके सरकार की प्रतिष्ठित शेवनिंग स्कॉलरशिप मिली है। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (LSE) में मास्टर ऑफ़ लॉज़ (LL.M.) की पढ़ाई शुरू कर दी है।

पूरी तरह से फंडेड शेवनिंग स्कॉलरशिप यूके सरकार का प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार कार्यक्रम है, जो दुनिया भर के बेहतरीन उभरते लीडर्स को यूनाइटेड किंगडम में पोस्टग्रेजुएट पढ़ाई करने में मदद करता है। LSE में जाने से पहले, नूर ने भारत के सुप्रीम कोर्ट में दो साल तक लॉ क्लर्क-सह-रिसर्च एसोसिएट के तौर पर काम किया।

लंदन जाने से पहले, नूर लॉ फैकल्टी के डीन प्रो. (डॉ.) गुलाम यज़दानी से मिले। मुलाकात के दौरान, प्रो. यज़दानी ने उन्हें प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप मिलने पर बधाई दी, उनकी लगन की तारीफ़ की और यूनिवर्सिटी में उनके समय के दौरान उनकी अच्छी अटेंडेंस और पढ़ाई के प्रति समर्पण को याद किया।

जामिया में अपने समय के बारे में बात करते हुए, नूर ने कहा, "जामिया ने मुझे एक सुरक्षित माहौल दिया जिसमें मैं पढ़ाई कर सका, आगे बढ़ सका और अपना रास्ता चुन सका। मैं लॉ फैकल्टी और उन शिक्षकों का बहुत आभारी हूँ जिन्होंने उन वर्षों में मेरा साथ दिया। LSE में यह नया अध्याय शुरू करने से पहले फैकल्टी में वापस आना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।"

संस्थान की तरक्की का ज़िक्र करते हुए, प्रो. यज़दानी ने जामिया के माननीय वाइस-चांसलर प्रो. मज़हर आसिफ़ और रजिस्ट्रार प्रो. मो. महताब आलम रिज़वी के लगातार सहयोग और दूरदर्शी नेतृत्व को सराहा। उन्होंने छात्रों के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता और वैश्विक आकांक्षाओं को बढ़ावा देने वाला माहौल बनाने के लिए उनका धन्यवाद किया।

प्रो. यज़दानी ने कहा कि फैकल्टी को अपने ग्रेजुएट्स को दुनिया की बेहतरीन यूनिवर्सिटीज़ में उच्च शिक्षा हासिल करते हुए देखकर बहुत गर्व होता है। उन्होंने बताया कि नूर लॉ फैकल्टी से चौथे शेवनिंग स्कॉलर हैं; उनसे पहले इदरीस मुहम्मद, नबीला जमील और आफ़रीन काज़ी को यह स्कॉलरशिप मिल चुकी है। और लगातार तीन वर्षों में यह तीसरा स्कॉलर है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि फैकल्टी में फल-फूल रहे शानदार एकेडमिक माहौल को दर्शाती है और यह युवा वकीलों (जिनमें नए वकील भी शामिल हैं) को अपने शानदार सीनियर्स के रास्ते पर चलते हुए प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने LSE में नूर की पढ़ाई के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी